



Mr.

09 Oct 1996

09:30 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121319104

लिंग \_\_\_\_\_: पुल्लिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 09/10/1996  
दिन \_\_\_\_\_: बुधवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 21:30:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 37:58:23 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Delhi  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 28:39:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 77:13:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:21:08 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 21:08:52 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: 00:12:45 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 22:23:03 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 06:18:38 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 17:57:45 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 11:39:06 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: दक्षिणायन  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: दक्षिण  
ऋतु \_\_\_\_\_: शरद  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 22:49:17 कन्या  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 26:16:36 वृष

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: वृष - शुक्र  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: सिंह - सूर्य  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: पू०फाल्गुनी - 2  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: शुक्र  
योग \_\_\_\_\_: शुक्ल  
करण \_\_\_\_\_: गर  
गण \_\_\_\_\_: मनुष्य  
योनि \_\_\_\_\_: मूषक  
नाड़ी \_\_\_\_\_: मध्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: क्षत्रिय  
वश्य \_\_\_\_\_: वनचर  
वर्ग \_\_\_\_\_: श्वान  
युँजा \_\_\_\_\_: मध्य  
हंसक \_\_\_\_\_: अग्नि  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: टा-टाटा  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: लौह - रजत  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: तुला

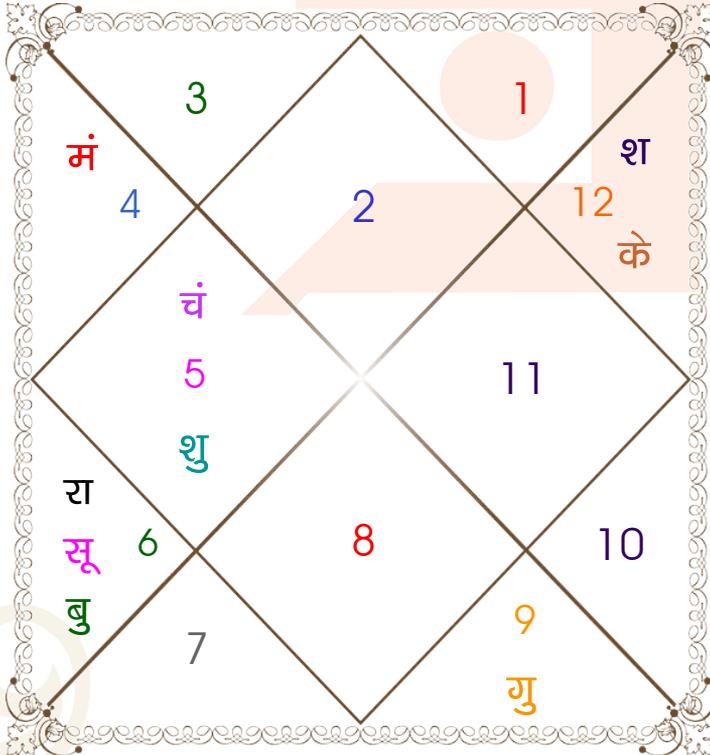
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	26:16:36	348:35:24	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	गुरु	---
सूर्य			कन्या	22:49:17	00:59:19	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	सूर्य	सम राशि
चंद्र			सिंह	19:19:40	12:07:39	पूर्वाषाढा	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
मंगल			कर्क	24:21:40	00:35:23	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	नीच राशि
बुध			कन्या	06:59:50	01:32:04	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	बुध	उच्च राशि
गुरु			धनु	16:00:15	00:06:25	पूर्वाषाढा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	स्वराशि
शुक्र			सिंह	12:36:47	01:10:09	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	09:09:52	00:04:29	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु			कन्या	14:13:37	00:00:48	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	14:13:37	00:00:48	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	06:49:46	00:00:01	उत्तराषाढा	4	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप			मक	01:10:00	00:00:06	उत्तराषाढा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	07:29:31	00:01:50	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	---
दशम भाव			कुंभ	10:02:51	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	गुरु	--

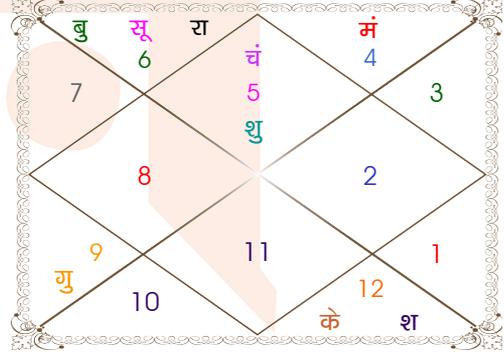
व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:45

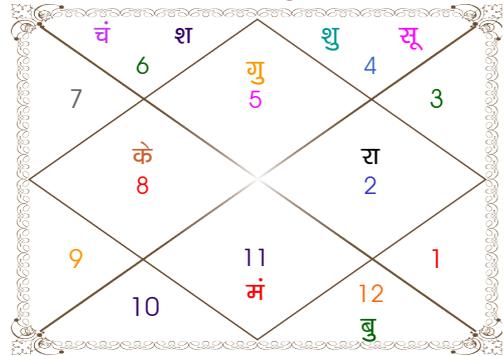
### लग्न-चलित



### चन्द्र कुंडली



### नवमांश कुंडली



## विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 11 वर्ष 0 मास 3 दिन

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
09/10/1996	13/10/2007	13/10/2013	13/10/2023	13/10/2030
13/10/2007	13/10/2013	13/10/2023	13/10/2030	12/10/2048
00/00/0000	सूर्य 31/01/2008	चंद्र 13/08/2014	मंगल 10/03/2024	राहु 25/06/2033
00/00/0000	चंद्र 31/07/2008	मंगल 14/03/2015	राहु 29/03/2025	गुरु 19/11/2035
00/00/0000	मंगल 06/12/2008	राहु 12/09/2016	गुरु 05/03/2026	शनि 25/09/2038
09/10/1996	राहु 31/10/2009	गुरु 12/01/2018	शनि 14/04/2027	बुध 13/04/2041
राहु 13/12/1997	गुरु 19/08/2010	शनि 13/08/2019	बुध 10/04/2028	केतु 02/05/2042
गुरु 13/08/2000	शनि 01/08/2011	बुध 12/01/2021	केतु 06/09/2028	शुक्र 01/05/2045
शनि 13/10/2003	बुध 07/06/2012	केतु 13/08/2021	शुक्र 06/11/2029	सूर्य 26/03/2046
बुध 13/08/2006	केतु 12/10/2012	शुक्र 14/04/2023	सूर्य 14/03/2030	चंद्र 25/09/2047
केतु 13/10/2007	शुक्र 13/10/2013	सूर्य 13/10/2023	चंद्र 13/10/2030	मंगल 12/10/2048

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
12/10/2048	12/10/2064	13/10/2083	13/10/2100	14/10/2107
12/10/2064	13/10/2083	13/10/2100	14/10/2107	00/00/0000
गुरु 01/12/2050	शनि 16/10/2067	बुध 11/03/2086	केतु 12/03/2101	शुक्र 13/02/2111
शनि 13/06/2053	बुध 25/06/2070	केतु 08/03/2087	शुक्र 12/05/2102	सूर्य 13/02/2112
बुध 19/09/2055	केतु 04/08/2071	शुक्र 06/01/2090	सूर्य 17/09/2102	चंद्र 14/10/2113
केतु 25/08/2056	शुक्र 04/10/2074	सूर्य 12/11/2090	चंद्र 18/04/2103	मंगल 14/12/2114
शुक्र 26/04/2059	सूर्य 16/09/2075	चंद्र 13/04/2092	मंगल 14/09/2103	राहु 10/10/2116
सूर्य 12/02/2060	चंद्र 16/04/2077	मंगल 10/04/2093	राहु 01/10/2104	00/00/0000
चंद्र 13/06/2061	मंगल 26/05/2078	राहु 28/10/2095	गुरु 07/09/2105	00/00/0000
मंगल 20/05/2062	राहु 01/04/2081	गुरु 02/02/2098	शनि 17/10/2106	00/00/0000
राहु 12/10/2064	गुरु 13/10/2083	शनि 13/10/2100	बुध 14/10/2107	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 10 वर्ष 11 मा 19 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपके जन्म आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था, उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ सिंह नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण का प्रभाव भी आपके जन्मकाल पर पड़ रहा था। मृगशिरा नक्षत्र के प्रथम चरण में जन्मप्रभाव से ऐसा विदित हो रहा है कि आपके प्रारंभिक जीवन के 28 वें वर्ष से अच्छा समय प्रारंभ हो जाएगा।

वृष लग्न पृथ्वी तत्व का सूचक है। इस लक्षण से आप उत्साह पूर्वक सुख आनंद तथा भोग विलास संबंधी वस्तुओं की प्राप्ति अपने प्रभुत्व रीति से जो कुछ भी हो संभाव्य है। उसके कार्य अथवा कर्तव्य, सेवा कार्यादि यथार्थ रूप से प्राप्त करने की कोई संभावना नहीं है। आप उपयुक्त समय पर अपने मस्तिष्क को कार्य रूप बनाकर कार्यरंभ एवं कार्य संपादन की प्रतीक्षा करेंगे। कार्यात्मक करने का प्रयास आकस्मिक रूप से अच्छी प्रकार करेंगे। ताकि आप लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कार्य संपादित कर सकेंगे।

आप अपनी योजना के बारे में सैद्धांतिक रूप से पूर्ण एकाग्रचित होकर, कार्यरंभ करेंगे। आप सामान्यतः बहुत शांत चित्त प्रवृत्ति के प्राणी हैं। परंतु यदि कोई भी व्यक्ति आपके रास्ते में आकर आपके उद्देश्य का उलंघन करना अथवा आपको पराजित करना चाहे तो आप निश्चित रूप से बिना हिचकिचाहट के ज्वालामुखी की तरह विस्तृत रूपेण बलपूर्वक अपने शत्रुओं को परास्त कर देंगे। उदाहरण स्वरूप कोई अन्य आपकी उन्नति में बाधा पहुंचाए अथवा इस प्रकार का कोई संदेहात्मक अनैतिक एवं व्यवधानकारी विचार नहीं करेगा। आप भविष्य की बिना प्रतीक्षा किए पुनः उसे प्रवृत्ति को त्याग देना चाहते हैं ताकि आपकी छवि धूमिल न हो सके।

आपके लिए आपकी छवि महत्वपूर्ण है। क्योंकि आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप मध्यम कद के सशक्त मांसल युक्त गठीला एवं ठोस शरीरिक से सशक्त हैं। आपके विस्तृत कंधे एवं पूर्ण विकसित छाती आपकी प्रतिभा को चमत्कृत करता है।

आप जब आवेश में आकर सांसारिक वासनामय आरामदायक सुखों की तलाश में कामोत्तेजक एवं व्यभिचारिक बहाव में आ जाते हैं। तो इसकी पूर्ति हेतु अपने गुप्तांगों की क्षति का जोखिम भी उठाकर असीमित सुख भोग में लिप्त हो जाते हैं। आपको इस प्रकार की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए।

इसके अतिरिक्त आप किसी प्रकार की स्थिति को सुखद बनाने के लिए कृतसंकल्प रहते हैं। आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन बिताना चाहते हैं। आपकी पत्नी अच्छी है जो निरंतर आपके अनुकूल आपकी सहायता के लिए स्वेच्छा पूर्वक प्रस्तुत रहती है। आप अपने परिवार को अच्छी प्रकार चलाने की भूमिका पूर्ण रूपेण संघर्षरत रह कर निभाने के लिए प्रयास करते रहोगे।

आप में दो प्रकार की उत्कंठा विद्यमान है। सर्व प्रथम आप सदैव ही धनोपार्जन करना चाहते हैं तथा दूसरा आपको अपने शारीरिक कष्ट से छुटकारा पाने की उत्कंठा बनी रहती

है। यद्यपि सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथापि आपकी बांह पर कोई साधारण कटने अथवा टूटने के अतिरिक्त आपके कंधों में दर्द हो सकता है। आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। क्योंकि आप में स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति क्षीण हो गई है। जिस वजह से आप शीघ्रता पूर्वक पूर्ण रूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे। हर दृष्टिकोण से यह संभव है कि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे।

ध्यान दें आपके लिए अनुकूल अंक 2 एवं 8 अंक है जिसे आप उत्तम समझकर व्यवहार में ला सकते हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरुवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

